कक्षा IX

अपठित पद्यांश

अभ्यास पत्र

परिमल – हीन पराग दाग–सा बना पड़ा है।
हा! यह प्यारा बाग खून से सना पड़ा है।
आओ प्रिय ऋतुराज! किंतु धीरे से आना।
यह है शोक स्थान यहां शोर मत मचाना।।
वायु चले पर मंद चाल से उसे चलाना।
दुख की आहें संग उड़ाकर मत ले जाना।।
कोकिल गावे किंतु राग रोने का गावे।
भ्रमर करे गुंजार, कष्ट की कथा सुनावै।
लाना संग में पुष्प ने हों वे अधिक सजीले।
हो सुगंध भी मंद, ओस से कुछ गीले–गीले।
किंतु न तुम उपहार भाव आकर दरसाना।
स्मृति में पूजा हेतु यहां थोड़े बिखराना।

क. पद्यांश में वर्णित बाग दूसरे बागों से कैसे अलग है?

ख. इस बाग में ऋतुराज को शोर मचाने से क्यों मना किया जा रहा है?

ग. वायु को इस बाग से क्या ले जाना मना है?

घ. इस बाग में आने वाले कोकिल और भ्रमर को क्या कार्य दिया गया है?

ड. ऋतुराज द्वारा इस बाग में किस प्रकार के फूल लाएं जाएं?